तारीख हुक्म	हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज
17.12.24	पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उपस्थित। प्रतिवादीगण सं. 03 की ओर से श्री देवाराम चौधरी ने वकालतनामा पेश किया जो शामिल मिसल हो। शेष प्रतिवादीगण विधिवत तामील के बावजूद अनु.। न्यायालय समय में शेष प्रति. 1, 2 को एक-एक कर तीन बार आवाज दी लेकिन कोई उप. नहीं लिहाजा प्रतिवादी 1 व 2 की विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है। पत्रावली वास्ते प्रतिवादी सं. 03 के जवाब के इन्तजार होकर आईन्दा 21.01.2025 को पेश हो।
21-01-25	पत्रावली पेश हुइ। आज हम दीगर आवश्यक कार्यो में व्यस्त है।अतः इल्तवा होकर पत्रावली आइन्दा 18-3-25 को पेश हो।
18.3.25	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण वकील उपस्थित। विप्रार्थी 3 के वकील श्री देवाराम चौधरी का वकालतनामा शामिल मिसल। पत्रावली विप्रार्थी सं. 3 के जवाब व शेष का इन्तजार होकर आईन्दा 15.4.2025 को पेश हो।
15.4.25	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण वकील उपस्थित। विप्रार्थी संख्या 03 के वकील उपस्थित। विप्रार्थी सं. 1, 2, 4 के [illegible] तामील के बावजूद अनुपस्थित लिहाजा [illegible] एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती [illegible] विद्वान अधिवक्ता ने पत्रावली में सीधे बहस का निवेदन किया पर विप्रार्थी संख्या 03 का जवाब बन्द किया जाकर प्रार्थना-पत्र पर उभयपक्ष विद्वान अधिवक्ता की बहस

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.06.06 16:25:16 IST
Reason: SelfAttested

2024/24 कुसुम्बी बनाम पाबु

हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज

	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए

बहस सुनी। उभय पक्ष विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना-पत्र के संबंध में मूल दावा प्राथमिक डिक्री हो चुका है जो कि फाईनल डिक्री होना तय है अतः स्थाई निषेधाज्ञा का निवेदन किया। मैंने पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया एवं उभय पक्ष विद्वान अधिवक्ता की बहस पर मनन किया। चूंकी प्रार्थना-पत्र के संबंध में दर्ज मूल वाद प्राथमिक डिक्री हो चुका है जिसका अंतिम डिक्री होना तय है। अतः न्यायालय हाजा द्वारा तहसील धोरीमना पटवार हल्का लूखू के राजस्व ग्राम मीलों की बस्ती के खाता सं. 74 खसरा संख्या 187/1.5540 है व खाता संख्या 56 खसरा संख्या 158/7.0011 है. में जारी अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा दिनांक 29.10.2024 को मूल वाद के फैसल होने तक तافैसला कन्फर्म किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर मूल वाद के साथ नथी हो।

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमना

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.06.06 16:25:16 IST
Reason: SelfAttested